REPORT ON LECTURE

Date: 19th October 2023 **Venue: Department of Biotechnology**

डीडीयू में कैंसर प्रबंधन पर व्याख्यान आज

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में 18 अक्तूबर को दोपहर 1 बजे से 'कैंसर प्रबन्धन में बायोटेक्नोलॉजी की भूमिका' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन होगा। व्याख्यान का शुभारंभ कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। मुख्य वक्ता के रूप में सिनर्जी इंस्टीट्यूट के कैंसर विशेषज्ञ डॉ आलोक तिवारी, डॉ सौरभ मिश्र व डॉ अंजलि जैन होंगे।

''कैंसर प्रबन्धन मे बायोटेक्नोलॉजी निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका'': प्रो. पूनम टण्डन, कुलपति

दी. द. उपा. गोरखपुर विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलाजी विभाग मे 18 अक्टूबर को '' कैंसर प्रबन्धन मे बायोटेक्नोलॉजी की भूमिका '' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टण्डन ने कहा कि कैंसर एक बहुत ही खतरनाक बिमारी है जिससे पूरी दुनिया जूझ रही है। ऐसे मे बायोटेक्नोलाजी की भूमिका और बढ जाती है। यद्यपि कि बायोटेक्नोलाजी इसमे बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है लेकिन क्षेत्रीय स्तर पर भी कैंसर से संबंधित शोध मे नये आयाम स्थापित हो सकते हैं । उन्होने कहा कि पूर्वांचल मे कैंसर से संबंधित शोध और जागरूकता के क्षेत्र मे विश्वविद्यालय का बायोटेक्नोलाजी विभाग को अन्य संस्थानों के साथ आगे आकर काम करने की जरूरत है। बायोटेक्नोलाजी विभाग मे हो रहे शोध के बारे मे अवगत होते हुए उन्होने कहा कि यहां के शिक्षकों मे बहुत पोटेन्शियल है जिसका लाभ छात्रों के साथ साथ समाज को भी मिलना चाहिए। कुलपति ने सिनर्जी इंस्टीट्यूट आफ कैंसर रिसर्च, गोरखपुर के साथ आपसी समझौता करने के लिए भी उत्साहित किया।

कार्यक्रम के शुरुआत मे विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजर्षि कुमार गौर ने सभी का स्वागत किया। वरिष्ठ प्रोफेसर व रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट सेल के निदेशक प्रोफेसर दिनश यादव ने बायोटेक्नोलाजी विभाग की 23 वर्ष की यात्रा से सबको अवगत कराया। विभाग के शिक्षक डॉ पवन कुमार दोहरे ने मुख्य

वक्ता जाने माने कैंसर विशेषज्ञ और चिकित्सक डॉ आलोक तिवारी का परिचय कराया।

कार्यक्रम में युवा शक्ति एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री शिव प्रसाद शुक्ल ने अपनी संस्था के बारे में सभी प्रतिभागियों को विस्तार से अवगत कराया। उदघाटन सत्र के अंत में विभाग के शिक्षक डॉक्टर गौरव सिंह ने सभी अतिथियो छात्र–छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

उदघाटन सत्र के बाद सिनर्जी कैंसर इंस्टीट्यूट एवं सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल गोरखपुर के प्रबंध निदेशक व प्रसिद्घ कैंसर सर्जन डॉक्टर आलोक तिवारी ने कैंसर प्रबंधन में बायोटेक की भूमिका के विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

व्याख्यान में उन्होंने कैंसर के कारण, लक्षण, परीक्षण तथा इलाज से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इन्होंन सिनर्जी संस्था द्वारा कैंसर के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों से भी सबको अवगत कराया उन्हें कहा कि सिनर्जी इंस्टीट्यूट और बायोटेक विभाग एक साथ मिलकर कैंसर के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। प्रतिभागियों के तमाम प्रश्नों का समाधान भी किया। विश्वविद्यालय में विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रोफेसर शांतनु रस्तोगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शरद कुमार मिश्र ने किया।

Our Speaker

Media Coverage

बॉयोटेक्नोलॉजी कैंसर के प्रबंधन में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका : कुलपति

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग में बुधवार को ''कैंसर प्रबंधन में बॉयोटेक्नोलॉजी की भूमिका'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि कैंसर एक बहुत ही खतरनाक बीमारी है, जिससे पूरी दुनिया जूझ रही है। ऐसे में बायोटेक्नोलॉजी की भूमिका और बढ़ जाती है। हालांकि बायोटेक्नोलॉजी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। प्रो. टंडन ने कहा कि पूर्वांचल में कैंसर से संबंधित शोध और जागरूकता के क्षेत्र में विश्वविद्यालय का बायोटेक्नोलॉजी विभाग को अन्य संस्थानों के साथ आगे आकर काम करने की जरूरत है। संवाद

'बायोटेक्नोलॉजी की कैंसर मैनेजमेंट में अहम भूमिका'

GORAKHPUR (18 Oct): गोरखपुर यूनिवर्सिटी के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में कैंसर प्रबंधन में बायोटेक्नोलॉजी की भूमिका विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया. उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए वाइस चांसलर प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि कैंसर एक बहुत ही खतरनाक बीमारी है जिससे पूरी दुनिया जूझ रही है. ऐसे में बायोटेक्नोलॉजी की भूमिका और बढ़ जाती है. यद्यपि कि बायोटेक्नोलॉजी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है लेकिन क्षेत्रीय स्तर पर भी कैंसर से संबंधित शोध में नये आयाम स्थापित हो सकते हैं. कहा कि पूर्वांचल में कैंसर से संबंधित शोध और जागरूकता के क्षेत्र में यूनिवर्सिटी का बायोटेक्नोलॉजी विभाग को अन्य संस्थानों के साथ आगे आकर काम करने की जरूरत है. वाइस चांसलर ने सिनर्जी इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर रिसर्च, गोरखपुर के साथ आपसी समझौता करने के लिए भी उत्साहित किया.

इलाज की दी जानकारी

उद्घाटन सत्र के बाद कैंसर इंस्टीट्यूट एवं सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक व कैंसर सर्जन डॉ. आलोक त्रिपाठी ने कैंसर प्रबंधन में बायोटेक की भूमिका के विषय पर अपना व्याख्यान दिया. व्याख्यान में उन्होंने कैंसर के कारण, लक्षण, परीक्षण तथा इलाज से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की. प्रतिभागियों के तमाम प्रश्नों का समाधान भी किया. विश्वविद्यालय में विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रोफेसर शांतनु रस्तोगी उपस्थित रहे. संचालन पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शरद कुमार मिश्र ने किया.

शकुन टाइम्स
गोरखपुर/आस-पास

कैंसर प्रबन्धन मे बायोटेक्नोलॉजी निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका-प्रो. पूनम टण्डन,कुलपति

Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University, Gorakhpur

(Accredeted A++ by NAAC)

University in News on 19 October 2023

अब छुट्टी के दिन भी खुलेगा केंद्रीय ग्रंथालय

छुट्टी के दिन भी खुलेगी लाइब्रेरी, वाईफाई की भी मिलेगी सुविधा, वीसी ने की शुरुआत

कैंसर प्रबंधन में बायोटेक्नोलॉजी निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका

सेंट्रल लाइब्रेरी में मिलेंगी प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबें और वाई-फाई की सुविधा

सेंट्रल लाइब्रेरी में मिलेंगी परीक्षाओं की किताबें और वाई-फाई की सुविधा

बायोटेक्नोलॉजी कैंसर के प्रबंधन में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका : कुलपति

कुलपति ने किया वाई-फाई सुविधा का शुभारंभ

आधुनिक शिक्षा के पक्षधर थे सर सैय्यद : कुलपति

डीडीयू के केंद्रीय ग्रंथालय को बनाया जा रहा समृद्ध

बायोटेक्नोलॉजी विभाग कैंसर संबंधित शोध पर करे काम

डीडीयू में कैंसर प्रबंधन पर विशेष व्याख्यान

सर्जन डॉ. आलोक तिवारी ने कैंसर के क्षेत्र में बायोटेक की भूमिका स्पष्ट की

कैंसर के लक्षण, परीक्षण व इलाज की जानकारी दी

सर सैय्यद डे पर सम्मानित किये गये शिक्षा व समाजसेवा से जुड़े लोग

تعلیم اور سماجی خدمات سے وابستہ افراد کو سر سید ڈے پر اعزاز سے نوازا گیا

Glimpse of the Event

ROLE OF BIOTECHNOLOGY IN
CANCER MANAGEMENT